B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-2
HISTORY (SUB./GEN.)
UNIT-5(B)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KR.MISHRA
DATE-07/09/2020

TOPIC- असहयोग आंदोलन(1920 ई०)

Part-1

Scanned with CamScanner

असहयोग आंदोलन

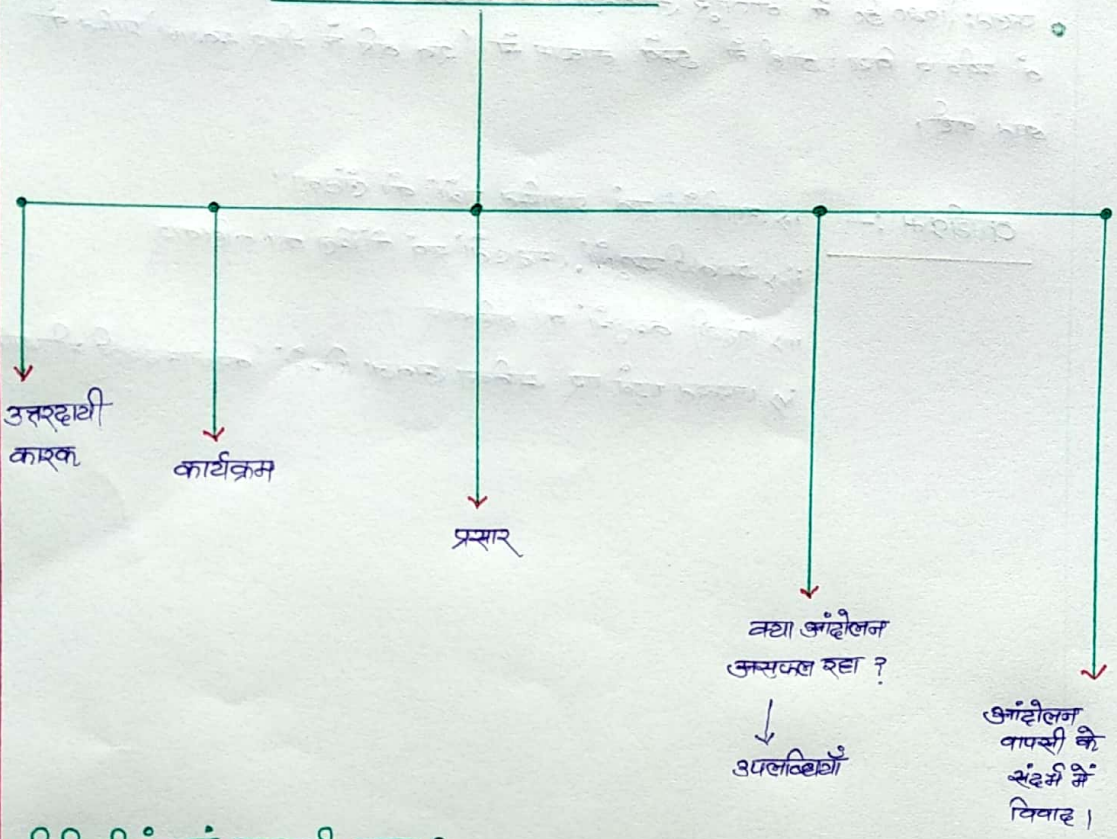

परिस्थितियां एवं उत्तरदायी कारक :

i.) रॉलेट एक्ट एवं पंजाब के अत्याचारों ने युद्धकालीन ब्रिटिश वादों को झूठा साबित किया।

ii) मान्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों ने द्वैध शासन प्रणाली लागू की। इससे भी असंतोष तीव्र हुआ।

iii) प्रथम विश्वयुद्ध में मुसलमानों के सहयोग प्राप्ति हेतु अंग्रेजों ने तुर्की के प्रति उदार रवैया अपनाने का वादा किया था पर बाद में वे मुकर गए।

iv.) जो लोग उम्मीद लगाए बैठे थे कि जालियांवाला बाग कांड के दोषियों को दंड मिलेगा, उन्हें निराशा हुई क्योंकि हंटर कमिटी की जाँच प्रक्रिया मेहमापूर्ण थी और House of Lords में जनरल डायर के कारनामे को उचित करार दिया गया।

v.) प्रथम विश्वयुद्ध जनित आर्थिक कठिनाइयों ने मजदूर, दस्तकार, मध्यवर्ग, सभी को परेशान कर रखा था।

आंदोलन का आरंभ

- 1920 ई० में गाँधी ने खिलाफत कमिटी को अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ अहिंसक आंदोलन छेड़ने को कहा और कांग्रेस पर भी पंजाब के अत्याचार, खिलाफत संबंधी अन्याय तथा स्वराज के मुद्दे पर असहयोग आंदोलन छेड़ने के लिए दबाव डाला।

Scanned with CamScanner

- फलतः 1920 ई० के नागपुर अधिवेशन में कांग्रेस ने असहयोग आंदोलन के प्रस्ताव को स्वीकार किया। गाँधी ने इसके माध्यम से 'एक वर्ष के भीतर स्वराज' प्राप्ति की बात कही।

कार्यक्रम :-

i) उपाधियों एवं प्रशस्ति पत्रों को लौटाना।
ii) सरकारी स्कूलों, अदालतों एवं कौंसिल का बहिष्कार
iii) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार।
iv) जरूरत पड़ने पर सविनय अवज्ञा जिसमें 'कर नाअदायगी' भी शामिल।

Scanned with CamScanner